रिटेल समिट 2024

सुर्ख़ियों में क्यों?

- रिटेल समिट (टीआरएस) 2024, रिटेल के भविष्य पर केंद्रित एक प्रमुख वैश्विक कार्यक्रम, आठ प्रमुख विषयों पर आधारित अपने एजेंडे के साथ दुबई में चल रहा है। इन विषयों का उद्देश्य दुनिया भर में खुदरा विक्रेताओं के सामने आने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों और अवसरों का समाधान करना है।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- इस साल की टीआरएस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्रिक एंड मोर्टार स्टोर्स, डेटा, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, मैक्रोइकॉनॉमिक्स, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, सस्टेनेबिलिटी एंड एथिक्स और टैलेंट अधिग्रहण सहित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी।
- फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) रिटेल समिट 2024 का एक उद्योग भागीदार है।
- रिटेल शिखर सम्मेलन दुनिया का एकमात्र आयोजन है जो 30 से अधिक देशों के 900 से अधिक प्रतिभागियों के साथ प्रौद्योगिकी, अनुभव और आतिथ्य के साथ खुदरा के अभिसरण पर चर्चा करता है।
- शिखर सम्मेलन, जो खुदरा क्षेत्र में प्रतिभाशाली दिमागों को एक साथ लाने के लिए जाना जाता है, इसका अब तक का सबसे प्रेरणादायक और विचारोत्तेजक संस्करण होने का वादा करता है।
- यह आयोजन वर्तमान उपभोक्ता रुझानों को समझने और आधुनिक प्रौद्योगिकियां ग्राहक अनुभवों को कैसे बढ़ा सकती हैं, इस पर केंद्रित था।
- शिखर सम्मेलन का उद्देश्य प्रभावशाली चर्चाएँ उत्पन्न करना और खुदरा क्षेत्र के विकास का समर्थन करने के लिए कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।

विश्व सैन्य व्यय में रुझान, 2023

खबरों में क्यों?

- स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) ने हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और रूस के बाद 2023 में 83.6 बिलियन डॉलर के खर्च के साथ भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश था।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- विश्व सैन्य व्यय 2023 में लगातार नौवें वर्ष बढ़कर कुल 2443 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।
- 2023 में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि 2009 के बाद से साल-दर-साल सबसे तेज वृद्धि थी और इसने वैश्विक खर्च को एसआईपीआरआई के अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया।

- सरकारी व्यय के हिस्से के रूप में औसत सैन्य व्यय 2023 में 0.4 प्रतिशत अंक बढ़कर 6.9 प्रतिशत हो गया और प्रति व्यक्ति विश्व सैन्य खर्च 1990 के बाद से सबसे अधिक, $306 था।

- 2023 में वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि को मुख्य रूप से यूक्रेन में चल रहे युद्ध और एशिया और ओशिनिया और मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।
- सभी पांच भौगोलिक क्षेत्रों में सैन्य खर्च बढ़ गया, यूरोप, एशिया और ओशिनिया और मध्य पूर्व में खर्च में बड़ी वृद्धि दर्ज की गई।
- भारत का खर्च पिछले वर्ष की तुलना में 4.2% अधिक था।
- इस विषय पर पिछले साल की SIPRI की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में भी भारत चौथा सबसे अधिक खर्च करने वाला देश था।
- तब भारत का सैन्य खर्च 81.4 बिलियन डॉलर था, जो 2021 की तुलना में 6% अधिक था, और 2013 से 47% अधिक था।
- एसआईपीआरआई के आंकड़ों के अनुसार, चीन, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्चकर्ता है, ने 2023 में अपनी सेना को अनुमानित $296 बिलियन आवंटित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6% की वृद्धि है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी)

खबरों में क्यों?

- एनएचआरसी ने शीघ्र जांच के लिए देश में तकनीकी रूप से उन्नत फोरेंसिक प्रयोगशालाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की मांग की है। इसने यह भी आग्रह किया है कि जांच और फोरेंसिक जांच एक-दूसरे से स्वतंत्र होने के बजाय प्रक्रिया का हिस्सा होनी चाहिए।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- ये मुद्दे हाल ही में एनएचआरसी द्वारा आपराधिक न्याय प्रणाली सुधारों पर आयोजित कोर ग्रुप की बैठक में उठाए गए थे।
- फोरेंसिक रिपोर्ट में देरी को संबोधित करने के तरीके, अभियोजन प्रणाली में सुधार के क्षेत्र और आपराधिक न्याय प्रणाली के अंगों में इस्तेमाल की जाने वाली भाषा के सरलीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया था।
- एनएचआरसी के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश अरुण कुमार मिश्रा ने उनकी नियुक्ति में पारदर्शिता और योग्यता सुनिश्चित करने के लिए सरकारी अभियोजकों की कैडर-आधारित सेवा बनाने का आह्वान किया है।
- उन्होंने सरकारी अभियोजकों, फोरेंसिक टीमों और पुलिस के बीच व्यवस्थित समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया।

- इसके लिए त्वरित सुनवाई के लिए आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार के लिए कानूनी प्रावधानों, मुकदमे की अवधारणा और फोरेंसिक के महत्व के बारे में उनका प्रशिक्षण आवश्यक है।

एनएचआरसी के बारे में

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग या एनएचआरसी मानव अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के मिशन के साथ भारत सरकार की एक स्टैंडअलोन इकाई है।
- यह भारत के संविधान में उल्लिखित एक वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना 1993 में 'मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम' के तहत की गई थी।
- एनएचआरसी मानवाधिकारों के प्रचार और संरक्षण के लिए भारत की चिंता का प्रतीक है।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) एक अध्यक्ष और आठ अन्य सदस्यों से बना है, जिनमें से चार पूर्णकालिक सदस्य हैं जबकि बाकी अंशकालिक सदस्य हैं।
- एनएचआरसी भारत में मानवाधिकारों के उल्लंघन से संबंधित किसी भी शिकायत की जांच स्वत : संज्ञान या याचिका प्राप्त होने के बाद कर सकता है।
- एनएचआरसी द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न मीडिया के माध्यम से मानवाधिकार जागरूकता और साक्षरता को बढ़ावा दिया जाता है।
- एनएचआरसी के पास उपयुक्त कदमों की सिफारिश करने की शक्ति है जो केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को भारत में मानवाधिकारों के उल्लंघन को रोक सकती है।
- भारत के राष्ट्रपति को NHRC से एक वार्षिक रिपोर्ट मिलती है जिसे संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखा जाता है।

उत्सर्जन में कटौती के मामले में G7 राह से भटक गया है

खबरों में क्यों?

- 23 अप्रैल को जारी की गई दो रिपोर्टों ने एशिया सहित वैश्विक स्तर पर जलवायु प्रभावों का मुकाबला करने में विकसित देशों की घोर निष्क्रियता को उजागर किया है, जिसे विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा दुनिया की 'आपदा राजधानी' माना गया है।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- जलवायु परिवर्तन पर ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) देशों - कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका - की प्रतिक्रिया पर रिपोर्ट से पता चलता है कि ये सरकारें वर्तमान में आवश्यक उत्सर्जन कटौती 2030 हासिल करने के रास्ते से काफी दूर हैं।
- जैसा कि 2015 के पेरिस समझौते में अनिवार्य है, पूर्व-औद्योगिक बेंचमार्क की तुलना में वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5°C लक्ष्य के भीतर रखने की आवश्यकता है।
- वैश्विक जलवायु विज्ञान और नीति संस्थान क्लाइमेट एनालिटिक्स द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट में कहा गया है, "सात समूह (जी7) देश पेरिस समझौते के 1.5 डिग्री सेल्सियस लक्ष्य को पूरा करने के लिए 2030 तक आवश्यक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में बमुश्किल आधी कटौती हासिल करने की राह पर हैं।" .
- ये निष्कर्ष महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दस्तावेज़ 28 अप्रैल से वेनारिया रीले, इटली में शुरू होने वाली जी7 जलवायु, ऊर्जा और पर्यावरण मंत्रियों की बैठक से कुछ दिन पहले प्रकाशित किया गया है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि जबकि "जी 7 अर्थव्यवस्थाओं को वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए अपना योगदान देने के लिए 2019 के स्तर की तुलना में 2030 तक अपने स्वयं के उत्सर्जन में 58% की कटौती करने की आवश्यकता है।"
- यह अनुशंसा करता है कि इन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को "क्रमशः 2030 और 2035 तक घरेलू कोयला और जीवाश्म गैस बिजली उत्पादन को समाप्त करने (और) विदेशों में जीवाश्म ईंधन के लिए सार्वजनिक वित्तपोषण और अन्य समर्थन को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए"।

G7 के बारे में

- ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) दुनिया की सात उन्नत अर्थव्यवस्थाओं का एक अनौपचारिक समूह है, जिसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ-साथ यूरोपीय संघ भी शामिल है।
- G7 का जन्म 1970 के दशक में दुनिया के सामने आने वाली भारी आर्थिक समस्याओं के परिणामस्वरूप हुआ था।
- राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों का पहला शिखर सम्मेलन 1975 में फ्रांस के रैंबौइलेट में आयोजित किया गया था। इसमें फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, जापान और इटली शामिल थे।
- रूस को शामिल करने के साथ, 1997 और 2013 के बीच G7 का G8 में विस्तार हुआ। हालाँकि, क्रीमिया पर अवैध कब्जे के बाद 2014 में रूस की भागीदारी निलंबित कर दी गई थी।

अमेरिका में टिकटॉक पर बैन

खबरों में क्यों?

- राष्ट्रपति जो बिडेन ने बुधवार को एक विधेयक पर हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दिया, जिसके तहत अगर टिकटॉक को एक साल के भीतर नहीं बेचा गया तो उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। सोशल मीडिया ऐप का स्वामित्व चीनी कंपनी बाइटडांस के पास है।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- इस उपाय को एक कानून में बदल दिया गया है जिसमें कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका इज़राइल, यूक्रेन और ताइवान को सहायता प्रदान करेगा।
- टिकटॉक ने न केवल अपने लगातार स्क्रॉल होने वाले

वीडियो की लत के कारण, बल्कि अपने चीनी मालिक, बाइटडांस के कारण भी अवांछित जांच को आकर्षित किया है।

- इससे कानून निर्माताओं और सुरक्षा विशेषज्ञों के बीच चिंता बढ़ गई है कि चीनी सरकार लाखों अमेरिकी उपयोगकर्ताओं के बारे में टिकटॉक के निजी डेटा का दोहन कर सकती है।
- दरअसल, सांसद चाहते हैं कि बाइटडांस टिकटॉक में अपनी हिस्सेदारी बेचे। इस तरह के सौदे को छोड़कर, कानून, वास्तव में, अमेरिका में सोशल मीडिया ऐप पर प्रतिबंध लगा देगा।
- कानून निर्माता चीन में कंपनी के संबंधों को लेकर चिंतित हैं, उन्हें डर है कि बाइटडांस या टिकटॉक अमेरिकी उपयोगकर्ताओं के बारे में डेटा चीन की सत्तावादी सरकार के साथ साझा कर सकते हैं।
- बिल टिकटॉक के मालिक को बिक्री की व्यवस्था करने के लिए नौ महीने का समय देगा, जिसमें अतिरिक्त तीन महीने की छूट अवधि की संभावना होगी।